MSS No. 103 Subject Literature

Name of MSS Naladamayanti (Hindi) नलदमयन्ती चरित्र

Author – –

Period Not available Folios 51 (000a, 000b + 1-49)

Script Hindi Source B. Gulab Singh

Missing Folios –

ਹਿੰਦੀ ਨੰ (੫) ਪੋਥੀ

ਗਜ ਰਾਮਾਇਣੀ ਕਬਿਤ

(ਕਵਿਤਾ) ੪੯ ਪਤ੍ਰੇ

103

ॐ श्री गणेशाय नमः अथ नलदमयंती चरित्र लि
ख्यते ॥ दोहा ॥ श्री गणपति को चित धरि सिद्धि सि
द्धि दातार ॥ सरस्वति सिमरौं प्रीति करि वाहु नतु बुधि प्र
काश ॥१॥ हरि भगतन हरि सर्व मय थावर जंगम मांहि
सकल विश्व अनंत अरूप है कहनी कहु न जाय ॥२॥ दमयं
ती नल रूप पति को चरित्र हिनो मम मति अनहर
न कलि कृत नरा पाप है मिनै पर चित्र ॥३॥ सोरठा ॥
करम रेख पर विमान ॥ वेद मनी जन यौं कहै ॥ सरवी

ने·भा·
१

मैंगलतानसभकौंकरनीहोतहै ॥४॥ चौपई ॥ सो
मवंसकुरकेकुलभये ॥ करमरेखपांडवूवनग
ये ॥ जिनकेहितसदाजदुराई ॥ करमरेखवेन
हिंटरैटराई ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ५ ॥ ६ दुरयो
धनकपटीभ्रमभ्रमानी ॥ वलीवुरीकवहूंनहिंजानी ॥ वां
कोराजनपांडवववनरहे ॥ योंनहिंयोंप्रभुकौंकोकहे ॥ ५ ॥
दोहा ॥ तालतमालविशालद्रुमसभगीफलनलैर ॥ क ९२
रलीअंबकदंवतनलवैठपुधिधिरहेर ॥ ६ ॥ चौपई ॥ नादि

नवैं सिंघासन बेगविछायो १

समेऋषिवरईकथायेंा ब्रासनवैठमाहाम्हघपा
गैां) भलीभांतसह्लान्हपधरी हाघजोरविनतीर
ककरीभईभागहमरेउ्रबभये जन्मजन्मकेप्रबट
विगये सबोविप्रकेसीप्रभुकरी येसीविपतनका
ह्रुपसी ८ दोहा विप्रकहेराजासुनोंसाचीभाषोंते
हि विपतवारीनलराजकोसातसमकोनहिहोय चौ
पई भाईपांचरहेइकसंगा दोपदिदेलहनिहैघरु१
येगा भोजनकरनविप्रवहतेरे सहसचठासीनि

नै॰ भा॰
२

तम्रतिडेरे॥ कनकपत्रसरजतु महीनें॥ कल्पवृक्ष
ज्यानेभुवकीनें॥ नफ़लसहदेवकयाग्रुभकहे॥
भीमसेनरावबारोरहे॥१॥ सोरठा॥ सोद्विजमोदिस
नायधर्मनेद्रुभपतिकहें॥ जोविपतनपरिनलस
न॥ इतिहाससर्वकथा॥१॥ दोहा॥ विप्रवचन॥ वि
मर दुदेशसहावनाभीमनृपतिकोनाम॥ पाछेदिश।
दिशनिनवसकरीसकैंधर्मकोधाम॥१॥ चौपई
पाछेउजाकेदिगपाला॥ दमयंतीकन्याइकबा।

ला॥ वाकोरूपवरननहिहोई॥ धनधनभइधरहपा।
मेमोई॥ कहेसमऊदकलछनमोई॥ खगपतालमा
ननहिकोई॥ सहजसुगंधशीशनेघ्रावें॥ भलेभम
रझैरनहिपावें॥ ५॥ दोहा॥ ज्यों निषदहेमासुंदरमहा
पोडवनलभूपाल॥ रूपवंतसुंदरवलीदानादीन
दयाल॥ ६॥ चौपई॥ सूरवीरवहुतेगुनलायक॥ ज्यों
ग्रंथनमेवरज्योंनायक॥ पसोरूपहियाकरतारा॥
कलगुननकाकेअपरंपारा॥ एकदिवसइच्छामन

आई कीजेकेलवागमोज्ञाइ उपवनमाहिंहरठऔ
कारे सुभगनीरआछीविधडारे तालसरोवरउन
मभरे कमलफूलसोभतहेषरे १४ दोहा मंदमंद
मारुतवहेसघनकुंजवनमाह मधवेठोफूलन
फुलेनरविविज्ञनलमाह १५ चौपई वहीतालको
सुखदकिनारा चुगनजोलागोहंसउदारा सोमः
भहसनभूपतिदेषे उज्जलरूपमहाप्रतिपेषे एक
हंससोनेकोअहा आनोपकरराघयोंकहा एकरा

न. भा.
३

पारधीन्हपहिंगग्याना सबरणवरणसोहेमनमा
ना १६ सोरठा भूपतिलीनोहाथरक्षुं चपगगं।
जसम कहतवचननपसाथकनकर्णभकोमल
हृदै १७ दोहा हंसमनतसहनरापनलसावीभावो
नोहि एककामनेराकरोछाडिदेहनवमोहि १८ चौ
पई हमरेकाडेवहुजनसहोई पनपनभूपकेहैसम
कोई हमरेहेमनभंडारभरोवें काहेनरपतिप्रापः
जसबोवैं ग्रवमोडबमनतदेवोराई मातपितामेरेस

भमाई हमरैंमरेंसवैहमरे इननेजीवदोषकौंकरे १९ दोहा नवहीतेंनप्रहसकहीसुनहोहंसइकवात विपुलकाममैंमोकरैंतोछूऔंनमनात २० चौपई कयोहंसमुनहोवडराजा हमरोमरससकरोइककाजा विदुमदेशभीमनपधामा केन्याहेदमयंतीनामा वाकोंरूपवरनकोपारें वरनवरनकेनेकविहारें हमरोनसनतिहमासहसनाऊं निहिंतिहिंकरसंयोगवनाऊं २१ दोहा हरीभगतहरिजनभलोउरजनभ

नै॰ भा॰ ७

श्री

लोनप्रेम स्वारथकेपरमारथेहेद्योछाडनवहंस २२
चौपई उडेंहंसनलदईअसीसा तुमरोकामकरे
जगदीशा वेगहिंगयोभीमकीनगरी सषीवसे
रैयनजिहसनारी दमयंतीकेधवलरनले फूलक
मलवासमे भेले तिंहिंनालसुरोवरजनमजगा
भाईवंधमिलधुगनेलगा २३ दोहा दमयंतीहे
रतनवेंहमरूरोषामाहि देषटेषमनहरषेयोउ
छिग्राईतिहढाहि २४ सोरठा उछिग्राईनतकाल

साठसहेलीसंगले दैषचकितभईवांसचकितहर
नकेनैनसैं २५ चौपई तवसषिविषनेसौसंत्रविचा
रा ग्रवाहंसपकरोतमहारा पकरंहंससोनेकोग्रहा
पकरोंहोंइसकरकेकह्या घ्यांकरकेकरसांरील
ई मंदमंदवांकेहिगगई ग्रागेवलेहंसगतनी॰
की घकतभईनानीउनजीकी हंसकहीजवज्रा
नग्रकेली हूरगईनवसखीसहेली २६ दोहा नि
कट्याग्रायपठाहेभयोविनतीकरसमझाय उपमा

श्रीनलरायकीवरनीसवैवनाय २७ चौपई सुन
देवीइकवातहमारी अपनेमननहेषविचारी नि
षदेशभूपतिनलनामा जिहिंदेषेलज्जतहैकाम
मा अदभुतनृपतिघोकरतारा वलगुनजोकेअ
परअपारा तेरोजीवनधिगहैतोलों नलवचित्रव
रवरैनतोलों २८ दोहा दमयंतीवोलीतवैसुनहो
हंससुजान जोमेरेमनभावनीसोतेकहीवषान
२९ चौपई अवमेरीतुमकाजसुवारो राजान

न. भा.
६

लथेंवेगसिधारो जोउपमानलकीतेकहीमनमे।
मानीसिरपुरसही हमरीविनतीउनङुंसुनावो व
हुसंदेशालेकआवो यहीवातउनमनमेधरी ३
आेहंसततछिनतिहिघरी ३० दोहा प्रवरहंसनव
छाडिकेगयोसुनलकेधाम वियसंयोगहरिभग
तकहिकाजसुवारनराम ३१ सोरठा काजसुवार
नरामहरिजनत्रपनेजानके भगतवछलभग।
वानमैंकोछाडेविरहकी ३२ चौपई देषनलन

जामेसांचसोईजगवडो कामानस
पंछीपसुजेजो जामेसांचसोईसुखक
छी। रेजामेसांचसोईभवतरे ॥
मनमेजुसकाना परमेहंसमंसाचोकरमाना जामें।
सांचसोईवडभागी योगीजपीतपीवैरागी ३३ दोहा
सांचपरमतपकहूतहेझूठपरमहेपाप सांचधर्मके
पालनेवंखगफिरघरायोआ ३४ चोपई वैठेहूंसिंहा
सनजाई राजाआगेवातजनाई सुनहुभूपतमवि।
नतीमेरी हमयंतीहैचेरीतेरी नवनमरीमेवातेल
ई सुनउनतवैमगनह्वैगई हूयधीनमोकोफेरपठायो
विधिनाआनसंयोगमिलायो रूपवंतअतिचतुरसि

घानी कोइहेरंभाकोइंद्रानी मानपलालसर्गनहिंको
ई कालगिगिनोवरननहिंहोई ३५ दोहा रतनीकहि
नवहीउओहियासेदेशानाघ नाहिनतेरनउऊनको
नरकतरेनविहाय ३८ सोरठा रहनउयांहीचितव
नेश्रवनउनमिनके छपनसछोपनिनिनश्रवरकहु
नहिभावही ३९ चौपई हनउनउऊनचटपहीलगी
विरहग्रगननननमेनगमगी हेमनमेकविह्रायमिर
लानो नीवनजनममफलकरजानो विनदेषेगर

नं. भा.
७

तहूगईयैसें मिलविछुरैसोंजीवैंकैसें वनरचनर
कौंप्रतिमनभावैं।जोविधिकरूसंयोगमिलावैं २८
दोहा योंविधिदिनवीतेवहुतमिलनमिलनकी।
ग्रास वीतनलरेनचकोरज्योंज्योंचातकघनराश २९
चौपई धीमनृपतिमनमाहिंविचारी वडेकाम
हमकोंरूभारी हमपतीवरलायककेहोई रचोस्व
यंवरजोसवभोई जांकेंरहकंन्याहैवडी तांको
वेंननलागेवडी कांकोउराउरकग्ररूराना कंन्या

न॰ भा॰
६

भईसवपहुनाना पनघेमातपिताग्रहभाई द्रसिं।
क्रैकन्यापरनाई ४० दोहा रच्योस्वयंवरसाजकेष्ठ
भहिनलग्रगिनाये जवजहवातगाघनललजानी कौ
तकदेषनकोमनम्रानी जोवोकैग्रनिनाहेंजावों
कितविधिनारदमंतीपावों बडेवडेभूपतिजवदेषे
तिनमेमोहिकवनहोंलेषे ४२ दोहा मननमेमंत्रवि
चारकेचल्यास्वयंवरकाज जोकछुकरेसोप्रभुकरै
वेगगरीवनिवाज ४३ सोरठा हरिहेंदीनदेग्राल

जोहरिभावेसोकरे॥ पलमेकरेनिहालकनगिरगिर
तेकनकरे॥ ४४॥ चौपई॥ वहुविधिलोकसंगनलला
यो॥ ज्ञातज्ञातसबपेमगगनघो॥ वारदेवतामिलेनरे॥
श॥ अग्निधर्म्मअरुवरुणसुरेश॥ तेपूछैंनरपतिक
हुचले॥ नलविचित्रसुनियतहोभले॥ कह्योभूपदम
यंतीनाउं॥ भीमसुताकेस्वयंवरजाउं॥ ४५॥ दोहा॥ हेसा
मीतुमकवनहोकवनतुम्हारोनाम॥ अबभूतरूप
धररूपसोचलेकहांहैकाम॥ ४६॥ चौपई॥ कहेदेव

न॰ भा॰ ५

नाहरनरपती रहताहमसाग्रमवती ग्रग्रध
मेपवरणविचारा होइ्लसभहीकोंसरसा
ग्रनिविचित्रदमयंतीहनी कहीजुहमसेंना
रहमुनी रंभाहतनाचीम्रहउरवसी मेनकाहके
सीतिलोत्तमारसा हैहमरेवऊग्रपसरकोटी सभै
हमाउतीनलकीजेही हेरा॥ हमेंसुयंवरताऊ
केकारमनमनकीग्रास ग्रबतेहमराहलेहे
जाऊहमाकेपास चौपई॥ नामरूपगुनमस।

भैंसनाई॥ चहूंमैंभावैसोवरपाई॥ उनग्रने
कसुरउरकेकहीं॥ ~~मालनलोकनायकहैान~~
ह्रीं॥ मालनलोकनायकहैांनहीं॥ घैसैनवांकोसमझा १
य॥ वहुरसंहेशालेकरग्राय॥ भूपकहोजोंकहैांसाक
रैां॥ भलोवुरोनहिमनमैधरो॥ ४९ दोहा॥ इतनोकहि
करनरपतीविचारकीयामनमांह पहूवांछाकर
हैावलोंहूकरहूतननजांह ५ सोरठा जावांहूकरहू
लनोमेरोजसकोरेहै मासोकहेहैकमतपरद्धतपना।

न॰ मा॰
१०

करतहो॥५२॥चौपई॥ कहैंदेवतासुनहोभूपा॥ साचा
धर्मतुमसुभगसुरूपा॥ पाछेकहीकहोसोकरौं॥ छा
तेंकहैनाहिपगधरौं॥ जेतेंहमराकहानमाने॥ हेदो
श्रापपठमतजाने॥ भूपकह्योजोप्रबकथाकीजै॥ स्वा
मीश्रापमोहिनहिदीजै॥ हमकोतुमकरमानोदाश
कितविधजाउंदमाकेपास॥ हौंमानसकछुभेदनजा
नौं॥ सोमुहकैसेंकहावखानौं॥ ५३॥ दोहा॥ नपमुंदहकैला
पासमकितविधभीतरजाउं॥ महावलीभटभूपके

तिनतेप्रतिसकुचाउं ॥५३॥ चौपई ॥ हमनोभूपरकवच
नविशेषे ॥ हमप्रतापकोपनदेषे ॥ चलेमारगपकर
मगमहरूपा ॥ किनेनदेषेजोजायजेभूपा ॥ हमघ
नीतिहिभीतररहैं ॥ देषतविक्रमसबीमोंकहैं ॥ हमरे
भवनपुरुषरकुपायो ॥ देषतभक्ष्यमोहिमनभायो
॥५४॥ दोहरा ॥ कैरविवेउकुवेरहैकेइंदरकेराम ॥ गल
गंधर्वकिन्नरकोउपहनागकेकाम ॥ चौपई ॥ देषदे
षविसम्हैगई ॥ घैसोवरपावोंहोंदई ॥ हंमलछननल

केजोकहै सोसवीसबमेयामैलेहै जोनलहोय
तोकितविधआवै हमरेमवनगमनकैांपावै भ
ईबकितचितवातविचारी लीनोनलतबवेगहै
न॰ भा॰ कारी ५६ दोहा जोकोउजाकेमनबसेसोआवा
११ ततिहपासा हरीभगतनचातकबदनपरनहूट
घनरासि ५७ सोरठा गयोनिकटनलसायदेष
तधीरजनारस्या जानीकरनगराघनागनरी
नहिकितरी ५८ चौपई सुनोभूहनुमहोवऊभा

गी अपनानामकरमसमझावो नामबरनसभ
मोहिसुनाउ यहसुनरायकहीसुभवातें सकल
हुतांतसुनायोतातें देवहुतमोकोंपहिचानौ उन
प्रसादहुमभयोमिलानो ५९ सोरठा चारदेवा
तास्वर्गतेंआपस्वयंवरतोहि धर्मअग्निसुरपति
वरुणातुमयेंपठियोमोहि ६० चौपई उनकेवरें
स्वर्गसुखपावें अनेकभोगअम्रतफलखावें जरा॰
मरणकीसंकाजावें वरहोपकजौनमनभावें राज

न॰ भा॰
१२

सुतासुषतेतववोली हेषतनरपमनमेऊकऊोली
सुनोगुरुषहैंभाषोतकै अपनानामसुनावोसुकै
केहेमरूपहमरोनलनामा निषददेशमेवषाहेभा
भा ८१ दोहा एकहंसहाटकवरनगयोसुहमरेधा
म दमयंतीजनयोंकह्यौरूपशीलकोषान ८२
चौपई सुनकरवचनहंससोभले करअभ्यासातुमरी
हमचले जगामेग्रासासभकोउकरे ग्रासासोजो।
कारजसारे रैनदिनाहमरेमनवसे जागतसोवत।

मनमेलसे दैवकृपातेंभयोमिलानो आगेगातवि
धकीविधजानो ६३ दोहा सुनकरवचननरेषाके
विचारकीयोमनसार केहोंवरीतनृपनलनृपतिके
लायेंतननकार ६४ सोरठा जोसोमनपतिआयनो।
सोमुखवउपकारिहियें मोगस्वर्गअधिकायमोगोजि।
हिंमननामिले ६५ चौपई सुनोरायप्रतिसुवरास्ति
यानोहमरेवचनसाचकरमानो प्रवरभूपमनमें
नहिधरों मनवचक्रमकरतोहिकों सुरपतिपरम

न॰ भा॰ १३

वरुणायेंजाय एकहूमारीवातनसुनाय वगीकृपा।
सोपरतुमकरी हौहोदीनछीनमतिहीनी देशदेश
केनरेनरेशा उनमेतुमभीकरोप्रवेशा ९८ दोहा
तुमघतीकेवचनसुनचल्यारायगनलपाय भूपपौ
रजान्यानहीस्वारथैंपरूचोग्राय ९९ चौपई हाथजो
रविनतीनृपकरी मनमांसककुनहियरी तु
मप्रमाद उनघेहूमगपो नीकेवचनतुम्याराकेया
उनप्रपनेमनमांहविचारा मैमतिहीनहीनहैरा।

रा मोहिकद्योसनहोसुरहूत आयोहरूपाकरीपुरु
हूत आवौंवैठोभूपतिमांहिं नलविनऔरवरौंहौंना
हिं ५८ दोहा साचुवचननलकेसनेमनमैसंग्रविचा
र नलस्वरूपचहूंधारिकेआयेराजदुर ५९ चौपई
नलनृपतीवैसंगहिलघ तापस्वयंवरठाढेभये
आयेमकलसाजकेसाजा लागेग्रननतवजावनवाजा
रूपनीसाजमहावतआनी कनकचंवारीतापरठा
नी तापुरवहीदमावतीभामनि मानोहंवनगारति।

न॰ भा॰
१४

हैदामनि ७० दोहा भाहनिलीनीसाघहीसमभरूपन।
मैजाय देशनामउनह्नपवरनतसभैवनाय ७१ सोर
ठा प्रवलाह्नपग्रन्रूपपमहलेकोंमनहरतहैं देषवकि
तभयेम्रूपमोहिवैरैसवधैंकेहैं ७२ चौपई कनक।
कचोलीकरपरधरी मिलीसुगंधकेसरससोंभरी
मंद्रहिंमंहगाधंहनिचले देषतजातद्रमंतीभले भा।
पनिसकलहाडिकरवली मागतस्योंप्रलिचंपककक
ली ७३ दोहा भावताग्रनभावतानेनाहीलखिले।

त एकौंटेषैंनलपरेएकैनलनललेत ७४ चौपई
तनकासमभूपतिसवकीने आगेनैनभलीवि
धहीने निषददेषमगायनिजवृंदैल्या आलीभां
तदमंतीहैस्या नलसवीहूहरपतिचहुछानी देष
देषअतिभईहिरानी नलहैपांचरूपवकाकौ
छाडैकवनकवनहोवरौ करविचारकरनीकेज्ञा
नी कष्णगुरातनमनमैआनी ७५ दोहा परछांही
नहिहोततननपलनमिलनदकाहार वेठतेहहर

न. भा.
१५

घरपरऊंचेअंतरीचार ७६ चौपई योंविचारकर१
फेरनिहारे इनमेएकपलनहकहारे मिलतप
रावैठोपरकांही इनमेएकचारयहनाही नीके१
करनलरागपकाना कीनेसरपतीरंचसमाना
कनककचोलीकेसरभरी नलविचित्रकेसिपर
धरी हाहाकारजगतसभकेरा छाडिदेवतानल
पववेरा दोहा सभभूपतिविलषेपरेउपजो१
मन एककहेसभहीफलेअपनेभाग ७७ सोरठा

वसोअवेनलराघभीमअधिकमनहूरषयो नि
रषनम्योपनपाकषालीपूरनहोतनिम ७९ सो
पई भलीभांतकरवेद्रचाई नवग्रहपूजनगणेश
मनाई दई विवाहहमंतीरानी सोऊविधजोऊमन
मानी सहसअठारामनजवदये साठसहंसतुरग
मनये कंचनदलरथद्विपअनेका दासीदाससा
साजकरदेका रत्नअनेककंचनमोजरे पाटपटंब
रअवरअबराबरे भरवावरवहोऊदहिनी करमन

वेनरदमंतीतीनी ८० दोहा गंगवाचपिंगलप
हेपिंगलचदेगिरिमेर हरीभगतनमाधवकृपाथ
कसिद्धरहेवेर ८१ चौपई विदाहोयभूपतिसव
गये नलदमिरासमववदेवताभये होयदियालहीजै
वरसाके भिन्नभिन्नजोमनवाछे यग्निकह्योहैंव
सोप्रकास नवसिमरेतवकरोप्रकाश वरुणक
ह्योहैंवसोहजरसिमरतकलसकरोभरपूर पव
हरपतिनेकह्यो अंतकालउत्तमगतिलह्यो

न॰ भा॰
१६

परमकहीवकुस्वादरसोई नितप्रतिनोहिधरमह
हहोई ८२ दोहा छोंकरवरदेदेवनागघेस्वप्रपनेकौ
र नरचितवतकछुग्रोरहै हरिचितवतकछुग्रोर ८३
सोरठा करनरहरिहियप्जादकाडविषेभमचितवा
नी कियेजतनसभवादजोहरीभावेसोकरे ८४ नि
बद्देशग्रपनेनलग्रायो नरनारीमिलमगलगायो
हाटबाटसभवनेसुहाये मिलकरलोकदरशकोग्रा
ग्राये बेठसिंहासनग्रासकलीनो सजैविप्रदहिना

न॰भा॰ १७

दीनी याविधराघटमंनीपाई हरिहरजोरीभलीबा
नाई २५ दोहा ज्यौंशिवगौरीमिलीसीताज्योंरघुना
थ मनमथजोंरतिसंगही मवबाज्योंसचिसाथ २६
चौपई नवसरपतियमरावलिचले कलियुगहाथ
रथआगेमिले कथ्योहरेशावलेकितयोरा थावतेसे
कीनेवहुनोरा सुनोवचनसुरपतिहोभले दमयंती
केस्वघरचले मद्यवाकहीउहाहमगये सुभस्रप
तिमैहितहेभये उनहमछांउगायनलवरा थ्रवरको

रुमनमेनहिधरा ८७ दोहा सुनकरवचनसुरेसके
कलिकीनोमनमाप छाडिदेवतानलवलोकौंनहि
दीनासाप ८८ चौपई इइकहेसुनकलिजुगभाई इ
इघोगपनाहीनलराई सांचधर्मजाकेमनवसे ऐसो
कौंनसापदेइसे इहकहइइधामकोंगये तनछिन
क्रोधकलीमनमधो सुनद्वापरहोभाषोतोहि मोसो
क्रोधनक्यंभनहोही ८९ दोहा करोंप्रवेसहौंरायनर
लनरूपासाकैवीच भूपकरोंग्रवराजतेंमहिनदमेंती

नीव ५० सोरठा कमठीयहहसंसारजोपरउदेनसहिस
कैं भरैकपटकेभारसाधनकोंउघटेनहे ॥ चौपई
तवहीकलियुगद्वापरधाये निषदहेशनलकेघरआ
ये कलिमनकपटरातदिनजागा छिद्रभूपकोदेषन
लागा निशदिनभूपकोदेषनलागा निशदिनभू
परहेचैतन्य गुरुपूजाविधिवतन्नअसन्यनित्यकर्म्म
नित्यप्रतिकरे हरिकोध्यानसदाचितधरे ५१ दोहा
राजनीतजानतसकलपरतियामातसमान सति

न भा०
१८

मुक्ताकेचननमहीहैतऊजनकोदान ५३ चौपई वेद
पुरानकथानितम्हने जैसादेषेतैसागुने मतवराव
रहैयतजाने बंधनहंडनमननहिश्राने एकमहररा
जनीकोंसोवे तीनप्रहरलोंजागतहोवें ५४ दोहा
हरिजनश्रेसैंहीरहतऊजनकोकथान हरीभग
तहरिजनभलोवेमुखतेकमजान ५५ चौपई द्वा
दशावर्षकलिहेरतभये कलिजुगधकितचकि
तह्वैगये हुहरायकोछिद्रनपायो एकदिननलन्द

पट्ठवभुलाया म्हगयामेंलहुसंकाकीनी याघाघा
मसोचनहिलीनी जलविनलियेसेजपरसोयो
तवप्रवेशकलियुगकोह्वोयो ९६ दोहा रतनीहे।
बमलीनतालागोकलिकोदाउ जेंसेंउज्जलवसन
कोंधपामछोइलगिजाउ ९७ चौपई फेरकली।
कीनोइककामा नलकोभाईपुष्करनामा वाम।
नह्नोयगयोउसपास वनठनहियअरूपकीराश
कलिपुष्करषेलोनलसार तेरीजीतह्नोरनरधार

न॰ भा॰
१९

९८ दोहा नवषुष्करउछिधाऽस्योग्रायोनलहज्जू
र वौंपरवाजीलायकैंमोसेंविलजरूर ९९ यह
षुनिनलकलिषुगभरमायो सहिनसकेजाव
वनसहायो जाननहेसभजग्यावुरा वैपरीतन
हिकाहूकुरा विषलीपतसेंसाचनहोई चोरकू
ठकहावेसोई इहेकपटपापहिरसे सभयलकु
जूग्रामेवसे होंनीवुधग्रागेटरिजावे होनीहोत
वहूतपकलावे १०० दोहा होनीनयपरूपकोभईरा

पञ्जोतेऋषिग्यान कंचनमगरगुनाथजानत
भयेग्यजान १०१ सोरठा जानतभयेग्यजानजैसैंश
न: भा वनसियहरी भगतवछलभगवानजंकीलीक
२० नमिटसकी १०२ चौपई कस्योरायपछकाग्यवत्र्या
ऊ साठहजारउपैग्यागऊ तवपछकरमेपासाहा १
रा जीत्योपछकरराजाहारा वहुरसहंसहिरणाके
रलाये वैभीपछकरजीतचलाये पाहीविधलाके
कैलाष तवनमिटीमनकीअभिलाष पुनहारे

हाथीग्रहबोरा देशग्राममहथियिआरपोरा हारीराजा
सभरजधांनी तवमनमांहहमावतीआनी १२ सो
रठा हारेोसभकुभपतिजैआप्रपतकोमहल म
तकन्मारघळाडिकेपठेभीमनदपहल १४ चौपई
सभकुहारिभयोभिहारी हानीहोतदरेनहीदा।
री फिरपाछेंनलभयोउदास जैसेंवनकगुआवत
राश वनकोंचलेहमावतीसंगा पकवसनजैहे।
जिहिंग्रगा मारगबलनदधातरभये पाशनका।

न॰ भा॰ २१

कृपकउद्धिहरहे आगेवलतभएपवहेरें जगलकहु
नरजुगतजुनेरे अतिसुंदरसोनेकेरूप पकरनको
लागेतिहिभूप १०५ दोहा पदसोवांथोकुहनको।
भोजननहुमहुंहोय यांसोंमनकोंपोषकैआगेहोय
सोहोय १०६ चौपई पदज्ञफारज्ञसोउनऊपरजा
यप्रकासकहीनरबानी सुनतदमावतिभईहिरा
नी हमनकपोतजानमनमांही हैंपासाचौपर
केरिवलाहीं हमहुंकोपकरतजोकोई पैसोहा

लनाहिकोहोई १०७ सोरठा इतनीसुनतआगेच
लेउतरैनदीकेतीर जतननकीयेमछलीगहीभर १
ननलागेवीर १०८ चौपई भूनपौंछकरकरी १
तिरी षावनलागेकरमनहारी भूनीमछरीउ
छरतभई जातजातपानीमेंगई देवकोपजान्यो
नलराय अवकहुकीजेअवरउपाय काइदमे
तीवनमेजाउं नवहौंजगमेंअपजसपाउं जाय
दमाअपनेपितगेहा नवहोंवरतोंनिरसंदेहा

न•भा•
२२

ऐसें चितवत सोचत भया नवग्रह वचन दमासों।
कह्या सुनरानीतुं परम सियानी विधिनाहम।
परपेसीठानी १०९ दोहा कीयेकरमभुगतब्यो है
स्रवणमेवससबकोय हरीभगतपाजगतमेविन
करनीनहिकोय ११० सोरठा हूहतकरनीनाह।
पाछेतेंनरजोकरी सहंसगायमेजायवकुराहू
हतमायकों १११ चोपई सुनरानीतुमपरमसि
यानी विधिनाहमपरपेसीठानी सुनरानीय

हमगाहेदोऊ दछिनदिशाजातहेसोई आगेंमगविं
ध्याचलअहे तिहिंआगेंविंध्यमपतिरेहें तमअवजा
उपिताकेगेहा मोकोविपतपरीहैदेहा कहोदमाहु
नहोनलईश तुम्हनकाउविश्वबीश तमअवबात१
पियायहको मोहिपिताकेमगपगायरो भीमभूप
भूपतिहेभले सेवाकेरतुमारीबले ११२ दोहा केंहे
भूपनीकाकहीतुमहमहीसोभाम ग्रैसेउरवदिनअ
पतहेनहिंजाउंकिहिधाम ११३ चौपई पुनभूपतिय

हमनमेगानी जाउंछाऽहमावतिरानी हमरेकाज
वडतडषपावे हमविछुरैतोपितगहजावे धोविचा
ररजनीमेसोया वनपतिसहनदेषकरगेयो वित
न भा· वतनरपतिनीदपावे देषहमतीप्रतिडषपावे प्रा
२३ पीरैनसमेनपजागा भईपकतरजनीसागई जवन
लपायकरीनिरहई ।१४ दोहा लिषोकरेतकेपरथ
पट त्यागीहमावकमाहिजेसे सीतारामहत्यागा
हई वनमांहि ।१५ चौपई मधोप्रभातहमावति

जागी इतउतनरपकोदेषनलागी मननहिचेनचा।
टपटलगी गिरगिरपरेजानठगठगी पछतफिरे
मिलेनहिकोई ढूंढतउचेटेरसरोई कांपतिपवन।
पत्रजिमडोले कौसोंकहोंवचनमुषवोले वनवन
फिरतग्रनतनवनधसी जातजातरकथहिनेग्रसी॥६
दोहा नाहिसमैइकपारधीग्रायोवनग्रसकार देषी
नारीग्रहिग्रसीमास्योसररसिका सोरठा संकटहो
तसहायहरिजनग्रपनोजानके पकस्योजिमगज।

ग्राहकदतनबंधनहिचिरकरी ॥१८ चौपई हतप्रजा।
गरहिंहमावृतीहेरी लोभमानजबभयोहेरी पाप य
कृरमवधकीकाचीह्ना देकरप्रापभस्मतवकीह्ना
र॰भा॰ बिलसतिसोबतिमगपगधरे बनग्रतिसहुनदे
२४ षकेडरे तपनपसीकेग्रासनराखे कछुकसांतनत ६
बमनमेभई कंदमूलभक्षनकोहीना तबतपसी
ग्राहरबहुकीना देषहपतनपसीयोंकहे कोवन
फिरेकोननरूप्रहें ॥१५ दोहा सुनकरवचनदमाव।

तीतपसीकोंसमुझातहैंतिरियानलरायकीभीम
नृपतिमोतात १२ चौपई करमेरेपनृपकीभईहा
री गयोछोडिहमकोवनवारी तांकोंढूंढतवनमेंर
फिरें तुमप्रसादउनसोंहममिलें कहेंहृबीवुद्री
तुमसुनो सत्यमानमिथ्यामतगुनों तुमरीदेहन
यपदयोग थोरेहीदिनवनेसंयोग मनदेहराष
धरमनहिबोय धीरजनतेकारजसभहोय १३ दो
हा इकअपदयअरुसंपदाहेंभगनीयहहोय सदारा

न·भा·
२५

जसंपतकरेबुंकपटाहोय १२२ चौपई पेंसुनना
नीधीरजगाहा ग्रागेचलीपरममंगलहा हेरतवना
तनपावतपीर उतरेश्रासंगनदीकेतीर देषतलोक
भईमनश्रास प्रतिसकचातगाईउनपास पकवस
नतनविभ्रममभई देषदेषसकेसभमई हैपहकोऊउ
तमजान विभ्रमभईकरतनइकेबान १२३ दोहा तु
वविदमावतिपहुंपैसंगतकोसभलोक तमकहु
देषोगायनलजिहिंबिनमोहिवियोग १२४ चौपई

तेसभकहेंहमैंनहिदेहेरा कहांगयानलभ्रूपतिते
रा फेरदमाग्रहेंउनजाई कोंनदेमज्ञावोलेमभाई ते
सवकहेहमनेग्रुभवास देशचंदेरीसूपतनदपनाम
तेभ्रूपतिसूनिग्रतिहेभलेकरग्रासाउनकीहमचा
ले भयोसासवांकेसंगवसीपरीरेंनतासेंग्रतिवसी
१२५ चोपाई पेहरपकरजनीगईसोइपस्याममभसं।
गा ताहिसमेगजनरूपमिलमास्योहूरसरवंग १२६
चोपाई मास्योवड्नतरोषकछुरह्यो मिलकरग्रातथ

नं॰भा॰ २६

रममगागइ्यो वचीदमावतीतोसोंमिली तांतेदेश
चदेरीचली पकवमनतनविभ्रमभई तवतेनगर
चदेरीगई देवदेवकरवालकधावें करवरूपावद
हाथ्यचदकावें जातजातनिकसीरजधानी सुप
तिभ्रमभातामनम्रानी घातिघकोंनरूपकीरा।
शा ग्रानेपकरवेगमोंपाशा पोंसुनवातपवरी।
पाग्रांनी राजमातम्रकेशुभवानी १२४ दोहा सु।
नदेवीतंकवनहैं मानसरूपतोहि कवनकाज।

व

विभ्रमभई कहो पतिनेराकौं हि १२८ चौपई यों सु
न दमावती पुनकहै कहैवात पुनच्छु पकरेहै सुन
नृप मानहौंनरकीरानी औरवातनहिमनमेआ
नी मोकोनाघनकरपहचान हूनवेलहमरीभई।
हान गयोछाडपीमोवनमोहि ताकारनहौंविभ्र
महोइ यहसुनराजमातयोकह्यो हमरेभवनआ
पतहिनभोग नवलगपतिसोंनमिलैसयोग १२९
दोहा कह्योहमारोमानहो सुनरानीइकवात तोते

रेहरमेवसोंजवलगऊशलसरात १३ चौपई ता।
नीकहूनसाचमनधरै जोहमभावोसोईकरै क
हेहूमावतिमनवडरानी पगनपषारेकाकोजा।
नी रूठाभोजनमुखबिनहिधरें परधुहूषनकोट
रसनकरें जोकोऊछुहबहूटतोग्रावे सोहूमफ्से
ग्रानमिलावे वचनहमारेमानोचार तवहौंवसो।
राजदरवार यौंहीहोयकसेघोवडरानी करूोप्रवेश
नवेरजधानी ।१३। दोहा वडावडाईनातजैघटघपि।

ग्रपद्रामाहि वकमकजोजलमेरहेतजतग्रागकुव
नाहि १३२ सोरठा रमारमनयह्नगघग्रपतहपतहा।
नसभञ्जभकरन संपटहोतमहाघहरीभगनजन१
जानके १३३ चौपई ग्रवलमतनहोनलकीदशा
छाडदमावलिवनमेधशा ग्रागेगयोमहांवनमा।
ही दावानललागेवहूचाही तोकेवीवकोऊकर
लावें तनकरवचनरायनलधावें सर्पपकदेख्यो।
नलराई देवतरूपरूयोग्रकलाई तनहोपुरुषग्रन।

हौंहुतौ करकोटनागनाममहेमेरा मैंइकद्विजकोंदंशा
नकीना उनमोंकोंयहश्रापदत्तदीना उनमोकोंयह
श्रापदत्तदीना तातेंमोहिचलननहिंहोई राघोमो ।
न॰भा॰ २८ हिंवडोजसतेहिं हेनगमेंवक्रतेविधहीना अभय ।
दानकेनाहिंसमाना १३४ दोहा मोहूजानोमीत
करहोयतोहकल्यान ज्योंजानेत्योंराघलेपरमध
रममनध्यान १३५ चौपई नवनटपकयोमनेनोभ ।
जगामी हौंमानसतेविषधरस्वामी जोहौतोकों

वाहरधरौं दृशेमोहितानिहितेडरो नागकरेहमरा
जिघराषें नौघहवातकाहिमगुषभाषं जोजगा
माहिक्रतव्वनीहोघ कैषुगापेरनरकमेसोघ स
कमटेह्नागजवकीना तवनलगघुछायजली
ना १३६ दोहा गहिकरसोंसिरपरथसोग्रानथसो
सभकौर बलनसमेग्रहिइमकसोगिनतचलोघ
गहौर १३० चोपई सनहागयगानतपगवसो
करतगमनतमगेहोंभलो सनकरगघगमनप

गगाषे पकग्राह्लेहशालगभाषे नवग्रहिन्नपको
हूंशानकीना रूपकरूपमघोननह्लीना देबरूपा।
नलविशेमभघा नवकरकोह्ववनघहकघा ।१८
न॰भा॰ २९ दोहा नागकह्लीसनन भूपनीलमममनकरोसंना।
प मोविषनेउघहूरहेग्रापनहरनहेग्राप ।१९
सोरठा कोमलतमरीदेहराजकुमरनलराघहा।
न जोमेकीनीपहग्रपनसीननहिंजानहो ।१८
चौपई ग्रवरवबनहितकरतमसुनों रगमेंजीत

होयपवकूगुनैं भयकवहूंग्रहिकोनहिंहोय हरि।
कोध्याननमनतेषोय अवधापतिभूपतितिन।
परना हैरघुवंशीरतनमसरणा हैकरद्याशरहोति।
हिधाम रव्यसारथीधरवाऊकनाम भलीभांतनरू
सेवाऊरैं नवतेरेकाजनसभमरैं वहूतघेलपासा
कीजानै होयप्रसन्नतवतोहिवषानै निश्चिनमरा
होवेमीत हमरेवचनकरोपरतीन ।४। दोहा भी
मस्वपंवरफिरकरेतमरेहूंहनकाज अवशपभूप

नं. भा.
३०

तिनुपरागमेंजावेंजावेंनुमरणमाज १४२ चौप
ई होरयवाहकभीमपेजावें तवलेंनारदमंनीपा
वे बमनहमारायहलेंलेघ ओहतमेकोंजाहक
रेघ सिमरतकनककवरननहोय मिलेकहेंबम
भेंबषोय पोकहिवमनदियोभुजगामी कथा
तवेंहोयग्रंतरजामी १४३ दोहा समवातेनलषा
दिमनगायोग्रघोध्यामाहिं मिल्याभूपरितुपरसा
सेंदियेपारहनकोंनाहिं १४४ चौपई सकेंभूपघडन

परपीरकौंनतनामतेरोहेवीर कवनहेतहमरेंतुमग्रा
ये कहोतुगुनतहमरेततनछाये घहहनकरनलवोल्यो
स्वामी होंरघसारथिवाहुकलामी श्रवविघपावकु
विप्रसानैं उतमग्रपमग्रंथपहिचानो कंजनवहु
विहंकरोरसोई ग्रन्नस्वाद्धचौगुनोहोई हमकेतुमरा
षोकरदास श्रवरवहुतगुनकरोप्रकास १८५ दोहा
नोउतमनरनपेग्रावतकरहेग्रास हरीभगतनव
सवनकीमारतहेमवराश १८६ सोरठा घोंवामनवं

ने॰भा॰
३१

लियायहरीचंद्रज्योंजलभरो दीनेग्रघनेराज्ञग्रलि॰
टथीचक्रंउ लकरन १४० चौपई पुनरिलपरनके॰
हनवाऊक हैांगनिजनकोंनितप्रतिगाहक जिव॰
लाविमनहमैंरथसारथ उनमेंवसोकरोपरमाथ
वहुविधकेहेहमरैवाजी देशकेधारीनरकी॰नी
तिनहूंकोंतमगातसिषरावो लरगागामीकरहि॰
षरावो योंमनवाऊकउतहीरहा निशदिनध्यान
दमाकोंगहा नाघटमेविरहाग्निविग्रापे तातन॰

बैनबरीनहीआवे १७८ दोहा हाबबिलासनभा
वहेलगातनगाउमोगीत सुषदवानउपटेनहेवि।
छुरतजाकेमीत १७९ चौपई तवजिवलंवबाऊ
कसोकहे निसदिनध्यानकवनकोगहे सुन।
कुरवाऊकउतरदीनो वातनायग्रवरमिसकी
नो पवुरूषमरूपग्रतिभयो छाहिनारवनमेउ
छिगयो विनाउनाहकुमाररंगीली पतिकी।
प्यारीपरमरमरशीली ताकीवातमोहिमन१

न॰ भा
३२

आवेनिशदिनसदासिमरतनीजावे सुनजिवतंवसी
सकेंधुना भुपकररघोनमुखेसोंक्षना १५॰ दोहा
येंविधदिनबीतेकितेनलरितुपरणाहजूर रही१
चेंदेरदमावतीविधिनालिखीहंक्रर १५१ चौपई
आगेअवरकथाकहुचली सुनकरश्रवननला
गतभली भीमनरपतिजबपसीसुनी नलकी१
हारपरीवफरुनी सभशारवंशरायनलहारा जी
सोपुष्करराजहीसारा सहितदमतीनलबनगयो

योंसुनभीमडरवेतमनभयो नवद्राष्यरकोउनध
नहीना देशदेशकोंविद्याजुकीना एकविप्रसुदम
नजोनामा गयोवेटेरीकीनोकामा ज्ञायजुवेठोरा
जडघारे आवतजावतनारनिहारे कैदिनयायह
मंतीदेषी चुपरोपशसभद्राकेपेषी १५२ दोहा जा
यनिकटठाढोभयोकेदनदमासोंवात देकरोहठा
ढीभईहेरतसुषसमझचात १५३ चौपई नवहिजवो
लोमधुरीवानी हेदमयंतीमोहिपछानी सुदम

न॰भा॰
३३

नामहौंविप्रतिहारो भीमनृपतिपछियो नृमसा॰
रो मातपितावालकहेसवी नृमरीविपतसनी
भयेदुषी ततहिजकोसुवनीकेहेरा कृपालय।
कुनैनोजलकेरा करइकांतगृहेअहरोवे तिगतिउ
विप्रग्रथिकइखेवोवे नह्वानामसहपतिनृपभेना
हेषीकरतविप्रमोवेना वेग्रपनीमातापेगई इत
नीवालजाइउनकहो योतिरीथ्राहमरेगदहरहे को
उपुरुषमोवातोक रुदनकरतकहेमुखवात सु॰

नकरधायधनपतकीमात १५४ दोहा सुनोविप्र
यहकवनहैकवनजुधांकोपीय कवनकामत १
मफिरतहैंहकोकीयहधीय १५५ चौपई विप्रक
हेहमहहतपाई भीमनपतिकीकन्यामाई नल
विचित्रभूपतिकीनारी करमरेखकरफिरेउजा
री कूतखेलनपकीभईहारी गयोछाडियांकोव
नवारी यहसुनरानीभईहिरानी गहिभुजमेदोय
केछलपटानी १५७ सोरठा भीरभीरत्नशलाय।

न॰ भा॰
२७

गनैननीरसोउभरे भूषनवसनपहिरायलेवठाय
परिपंकपै १५८ चौपई सुनहोदमाहौमासीतेरी
तेरीमायभैंनहैमेरी दशारनदेशनरेशसुदामा
हमहैंताकीकन्याभामा तोसंगहौंग्रजानकेवरती
मोकोसुधग्रागैयहपरती ग्रवसुखकरयहधाम
मतुम्हारा तोतेभलाजोहोयहमारा कैहैदमासु
खसोरहिमाता ग्रागपाकरोलखोमुखताता १५९
दोहा पायग्रादेशविमानमेंग्राईपिताकेधाम

भीमनतिमनहरखयोद्विजकेघरगकाम १५९ चौप
ई देवदमावतीमाताहरखी मानोमेघवूदाभवर
षी सुतपुत्रकन्याकंठलगाई नवमातासंगवातज
नाई सुनमातामोंजीवतजानो तोनरूपनलकोहेर
हहियानो यहसुनरानीभीमपैगई कररज्योरेफि
रविनतीकही जीवतभूपदमाकोजानो तोनल
कोकछुहूंहसुमानो १६० दोहा यहसुनकरनृप
द्विजनकोंदीनेअगनितदान देशदेशनलराय

न भा।
३५

कोतूहलतचलेम्यासुजान ।१८। चौपई नलवृत्तात्यलसव।
भयेतिआर ठाढेभयेनृराजकुआर तोसोंकेहहमा।
वतिरानी सुनोविप्रसपतामनजानी राजसभाजै
वेहजाय सोहोंकहोंसावातचलाय एकपुरुषयै।
सोजोभयो काढिनारवनमेगहिगायो अरधवसन।
वांकेतनरह्यो आधीरातसमेमगगह्यो योंसुनल
मकोवातनसुके सुननवातनैननजलकुके नल।
नमजानोहैनलराय वहुरसंदेशालेकरआय ।१९

॥ दोहा ॥ यों सुनकर हिन जधाइ ये गयो विविध हींदे।

श। एक विप्र ज्ञुव धाग यो जिंहिं रितु परम नरेश ॥ ८८

चौपई ॥ सभा माहि वैठो हि जराई ॥ राजा प्रागे वात।

जनाई ॥ जो कछु हमा हि यो संसमु जाय ॥ तैसें व्राह्मन

इयें सुनाय ॥ भूपति विप्र वरको उन हीं वोले ॥ दैव विप्र

इतउत मन डोले ॥ देषो नल मन भयो उदास ॥ सुनकर।

वचन लीयो अती स्वास ॥ । ८९ सोरठा ॥ पीत वरन भई

देह भूषप्प्या सत जहह पै वल ॥ विरहीं लछन पहह जिहि

न भा·
३९

धापेसोईलेष ।१८५ चौपई भलीभांतकरिविप्रपठाना
सुनतबातआसुभरिआना तवव्राह्मननलखपैप।
छाना मिलेसुपतासुभलछनजाना तववपरनहु
नव्राह्मणधायो सुनकरवेगटमापेंग्राये सुनटे
वीग्रवधाहैंगयें नहांभूपरिहपरणाहेंहुयो ।१८६
दोहा सहामाहेहुमयोकल्याजोसुमकहासदेश स
कलसभाजुपकरहरी वोल्यानाहिनरेशहमहेरा
सुनकरस्वासलियेसिरफेरा उठिकरचलेआयो ।

मोपाश्वं सकलवातहसिहि उनशमछपकरहपावाकु
कनाम रथ्यस्वारथिवाहककरनाम मोकोंकहौं
तवेंनलराय जोफलवंतीनारकहाय ताह्नकोंक
वह्नं उत्वहोवे ग्रापजरेपतिव्रतनहिघोवें तेपति
ऊपरक्रोधनकरे तोसहिनेउनकोकारजसरे ।८८
दोहा॥ एकपदलीनोकतरके अरघशतकरपा
प गयोउरहबतियकाडिके रावनग्रपनीग्राप
॥८९॥ चौपाई एतेवचनउरुपउनकेहै तवहमवो

न भा
३७

केलछुनलहै सुनकरश्रवहमहमपेआये रानहि।
नावरूतेहमधाये सुनीवातहमयेनीहरषी न।
वश्रह्मनकेचुसोवरषी पुनमामासोवाननजनाई
रितुपरनकेहैनलराघे सुपतनामश्रसनजोआहै
यांकेप्रसवातसभकहे भीमन्द्रपतिहमकोक
हीहीन दमयंतीकोस्वयंवरकीन १७· दोहा
हैदिनहीमेरहिगयोसुनश्रवधाकेराय पकदि
वसमेदौरकरजेलमपऊवोजाय १८ सोरठा

उह्मांह्मोघनलराय नवचैयैसीवानसुन ॥ एकदि
वसमेध्याय सहितभूपद्माविरहा १८ चौपई ॥
द्वियोसंदेशाद्विजकोंरानी केदिनमेउपज्योराज
धानी सभामध्यरजनीमेगयो रितूपरनसो
एसेकह्यो चलोरायतमभीमगुलाप जरकर
भूपदेषातेंधायें दमयंतीकोस्वयंवरकेहा भ
योनिकटहेद्विनमेंरहा एकदिवसपहूचावहु
तौरा नवपावोभूपतिकीकौरा ७३ दोहा यो

ने भा.
३१

सुनकरयवधापतीनलनृपतियोंबुलाय सुन
वाऊकतुमसोंकहोंजोतेरेमनभाय १७४ चौपई
विदुर्भदेशभीमनृपतीका पठोसंदेशतासोंउ
नतीका दमयंतीकोस्वयंवरकह्या कहेंसपहे
दिनमेरह्या जोतुमग्रैसाकीजेकाम एकदिव
सपऊचेउसधाम दशसहसहसमरेहेंघोरे तोमें
नीकेमोरथजोरे जोजननहेसहसबैठार जोप
ऊचोतमरकदिनहोर कह्योसूतमेंइकदिनने

थें जोतरंगाकहूंहहनपैंहों तवहीजायदेषेस
भद्दोरा मननहिमैंनेकीयेनिहोरा ॥७५॥ दोहा
हेटहूशतिहूवरेंवधेपिकारीमाह तामेंरथसं
गजेंतकेलेश्राधेपातिहिठांह ७६ चौपई रथको
साजभूपहिगाश्रायो देषतनृपप्रतिहींचमका
यो सुनवाकृकतमहोयतिहीठ तमकोसउ
तहेनाहिजीठ हेहमरेवकतेविधवानी देषाके
धारीतरकीतानी कैकाडटहूतममेंयो दना

सोपकंचनकबहूंहोवै यहहमनवाअकबोलतघरो
हमपैकोधरायमतकरो यहअवलशनकेहैमलऊं
बेबडेदेषतमभल १७ दोहा जोमणिपगलैबां।
ने॰ मा॰ धीयै काचधरेसिरमोर वेचतहीपहिचानियै
३१ सोरठा काचमणिकोंतोर १८। जोनरहैअनहीनसिवा
लम्यांऊंचोवडो कोयहीपरवीनज्योंकेलकिमा।
लिनिअरम १९ चौपई इनहीसोंइकदिनवोहवा
ऊ नोतमरोहोहाशकहाउ सुनरितपरनचवो

रघुउवर साष्यलिषेउकसतजहूरक जातजानजो
जनकैगयो नवडुपटाभ्रुपतिकोपयो परतपर
ततवहीसुथपाई रघुकेंथिरकरवाहुकभाई ई
हांहूमारावसनजुपरा विहनास्तलेश्रावोपरा
तववाहुकरितुपरनसोंकहा जोजनहशाडुपटा
वेरहा सनकरवकिनभयोरितपरना नयेगहे
वाहुककेवरना १८ हरिभगतउनजनमिलत
मुदितहोतहनुमंत १८ वाहुककाउननरपति

बीना तबश्रपनागुनपरगटकीना सुनवाऊकहूमा।
रीघहूसगत यांकेफलपातनकीग्रगत दशाहूजा
रयोकोहूपात निश्चमानोमेरीवात हैसहूसफल।
ने॰ भा॰ कोनायेक शाखापककहीघहटेक गतसोवाऊ
८० कहीतनखिने फलग्रहपाततहूतउनगिने गिनक
रवाऊकभयोहिराना मरनभयोज्ञमनकेकामा १२
॥दोहा॥ तबवाऊककरजोरकैप्रतिहीविनतिकी
रेह यागिनितीकीविद्यायासमसोकोतदेह १३

चौपाई॥ तुमसेंविषहौंयेसमझेयें हृयविद्यातुम
कौंहौंटेंयें हनकरभूपतिविद्याहीनी हृयविद्या
वाऊकसेंलीनी पुनमंतरपासाकोंद्देयों श्रवते
हमरासीतजुभयो पाशाछलसोंमोनलराय
तवहीवचनभयोश्रधिकाय वातेंउरुघभयोवि
कराल नलसोंवचकह्योतरकाल हनवाऊ।
कमैंकोंकलिमान तुमपेवस्योक्रोधमनुमान
पाशाछलनीकेतुमजाना तुमहूंकोंडिहौंतवे।

पल्लाना १२४ सोरठा इंद्रआदिसुरसकाउदमयंतीनव।
तमवरी बसोकोधमनआनतवलमसोयैसीका।
री १२५ दोहा घोकहिकलयुगधायघोचहोचमी
नकवृक्षनादिनलेनलरायकोंभयोजतनमनख।

ने॰ भा॰ ५१ चौपई क १२६ जोनरजायवमीतकेतरे लानेकलियु।
गवाघाकरे लेवेजवननलरूपतकोनाम भाग
नकलितवहोग्रभिराम नवबाहुकनलफेरहु।
लायो विहुमहेशनरेशपकवायो रविकोग्रस्त

समेत्र्नवभयो तवरित्नपरनननग्रमेंगयो देवरद्यो
खपंवरवाना नाकोउराउरंकुनहिराना जवनरप।
भीववानघटूजानी प्रायोमिलनकाडरजथानी
करसनमानदिथोहैकानो उतसोभूपजायकरणा
नो १८७ दोहा रघ्रसालान्दपभीमकीवाकुकउतको
जाय हमघंतीनवत्तरतहीदासीदईपठाय १८८
चौपई केसीनाममसहचरीधाई लछनदेषनवाकु
कपेंजाइ सनोसुतघदसमरीवातें ग्रवधापति।

ने॰ भा॰
४२

आयोहेकातें दासीनेवाफ्कसोंभना दमयंतीको
स्वयंवरसुना नवरितुपरनस्मधिकमनभायो पक
टिवसवलिकेइनयाया पुनकेशीइकवातजना
ई कहितमइमनग्रेतरपाई सुनवाफ्कपकलषन
सोडरिये इनसोंप्रीतकटीनहीकरिये पकपकलष
निठुरमनभयो छाडिनारवनमेंउठिगयो आधी
रैंनग्रारथपटलीना सागीतियाकठनमनकी।
ना ।१८। दोहा सुनतनववनननलरायकेग्रासुहटर।

केत्राय लइउसमाणासलज्ञहैरह्योमोनकेभाय ।१८।
चौपई केणानिहेहेरहमापैआई सकलबातऊनग्रा
सुनाई सुनलदमानेफिरपद्दाई लकनदेषनको
अधिकारजायउहांलेभुपकररेहे जोककुदेषे।
सोलेकहे छोटेहारहोयगयेहकोय तोकेभीनरधरो
रसोय ।१८१। सोरठा निवेंननीचेहारआगाविनाल
णवलिउठे कलयाहरहोवाउनलरीतोदेषेजवे
।१८२ चौपई रतनीजायकहीरिनपरना करम।

नुहारयकरकेचरना सुनोभयपसीधामोग्रोना भीत
रथलेाेसभेइकठाना योकहिकेशिवेगउठिग्राई त
वनलनपवातचलाइ सुनवाऊकहुमकरोरसोई हो
ने.भा. वैनुरतनजानेकोई १९३ दोहा इतनीसुनतवहीउ।
४३ ठोकरनरसोईभाग ग्रागेहासीऊपरहीमकनदे
वनयोग १९४ चौपई भीतरकोवाऊकजवचला
कोटोहारदेवभयोवेला निवाउनशीशाजवेव।
हिग्रडा तवहीहारभयोहेंवडा ग्रन्नसांसनीकी।

विधिजोहै जलनहिपासकाहिसोधोवे नीकेह

म्रहइनलराइ ततछिनकमारग्योउछराई देषी

तुलग्रलयग्रउतनाहीं चुनइन्हूनराख्योउसमाहीं

रावतग्रग्रलरतउतनवली लछनदेषसहचरीवा

ली ॥१५५॥ दोहा ॥ लछनसभमरनभयेजान्योहेन

लराय तद्यपिनलहोवेनहीकीजेग्रवरउपाय

॥१५६॥ चौपई ॥ सतग्रफकंन्याग्रपनेलीने राजान

लयेजाकरहीने देषतहीतिरूकोनलराई ग्रास

न॰ भा॰
४४

बलेनेनपरिवाई केशनीकेरहमापेगई इतनी
बातमापडनकही सुनकररहमाग्रापडकथाई है
रनभूपचरनलपटाई १९७ सोरठा करगहद्दि।
एराचारकरजोरेकाहीभई नीकेनाहिनिहार सु
पुरवचनबोलीतबै १९८ चौपई सुनस्वामीहौ
भाखोयैसें विनजनाहमयागीमोकेसे कोअप
राधधरोमुकमाही तुमविनऔरहूसरोना।
ही कहीभूपसुनमोहि पिआरी भयोकोपक

लिछुगाकोभारी जवस्हरछाडिमोहितेवसो त
व३नहमसोंयैसीकीनी नवनमरीहमभागन
वीह्री प्रवनस्थ्रपनीवातसुनाय जोकुलवंतीना
रकहाय जोकुलनारग्रहेजगमांहीसोपतिग्रन
नकरतजोनांही केविधवाकेपतिसमरे फे।
रस्वयंवरमतहेकरे तमकोकुतीयस्वयंवरकीन
तजकुलमारगगृपजसलीन ।४४ दोहा पतो।
हम्याहमावतीबोलतभईग्रथीन फेरस्वयंवर

न॰भा॰
८५

नाकियोतुमरोसोधनकीन २०० चौपई सुनस्वा
मीहौतुमरोचेरी सातजन्मलगाहूसीतेरी मर
मुरजन्मजन्मकेमरौं नलविनहोरनाहिहौंक
रै नेमैकपटबातपभाषी देवसबीमेरहे॰
साषी सुग्रवापुसुरजग्रहचंदा जानतहेंसभ
कीदुषदुंदा नवसुपतेभाषीयहरानी स्वर्ग॰
मर्त्यपदूसाचीजानी कियोस्वयंवरसुनम॰
हाराजा तुमरेसोधनहीकोंकाजा पुनपुष्प

नकीवर्णकीनी दमासहितनलरायकेसिवभी॰
नी २०१ दोहा साचधर्मजिहिमनवसे होतअभ्र
निहिंकुल हरीभगतसिघग्रमेरहीकमसीफ
ल २०२ नवैसर्पकोसिमरनकीना वांकोवसन
प्रकपुरलीना ओहतरूपपुरातनपायो ह्वादशार
विकोतेजसहायो तवनलपनलदमयंतीरानी प
रमपुनीतमहामनमानी जवयहसुनीराय॰
रितुपरना विनतीकरीपकरकेरचना सुनोरा

यनलमेनहिंजंान्यो हमरोरूपकरूपपछान्यो २०३
दोहा॥ यद्यपिहैंप्रपराधघुनवाह्योमीनकरेतोहिं क
हीकहाजोककुहमाकीजीयेमोहिं २०४ चौपाई॥ हन१
न॰ भा॰ नीसुननलनायककहाय हमरेभ्रूपमहासुखपाय श्री
४६ शनिवायरितपरनननरेशा गयोसुतवहीप्रपनेदे
शा भीमभ्रूपमनप्रानंदछायो हमासहितनलराय
मिलायो हमहाथीरथघशालाहीनी भीमभ्रूपवहू
महत्तकीनी घमननमतनमाजरष्यप्रानाा हमासहित

नलरायवहाना सुतग्रहकन्यामोफवराये वले
धायकरवहदलकाये २०५ दोहा॥ कैदिनमेमारग
वलतपहवेग्रपनेठोर उतसुग्राउपवनकोशकरप
रीनग्रमेगेर २०६ सोरठा ग्रायेहंनलरायपदवाने
पुष्करसनी वहोतहमामवजायहोसनमवेकरपु
उको २०७ चौपई मंत्रीमटनपुष्करकोनीका भलीभां
तजाननतमुखजीका सुनपुष्करहैभाषेतोहि की
रमंग्रामजीतनहिहोई करिमिलापमन्यग्राघनवे

नै॰ भा॰
४०

ल सभककुंजीतवहुरवनफेल नलशशग्रासोव
हुधनल्याधौ नमरेहेतमोहिमनभायो २॰८ दो
हा इतनीसुनपुष्करतवेमिल्यागाघसोजाय लाय
गारेग्रतिप्रीतकरग्रपनेपासविठाय २॰९ चौपई
कुशलप्रकुकररकथाकहानी नवपुष्करयेसीमन
नश्रानी सुनेगाघनलखेलोपासा वहुदिनकी
हमरीहैंग्रासा चितगिनतीजुकदीनलग्रावे सो
हमहूंकोखेलखिलावें इतनीसुननलरूपकहि

हीन खेलोवाजीहैकेलीनतवनरपतिपासाकुर
लीलो पुष्करसेंपैसेंकहिहीन पुष्करग्रथमेला
योभंडारा तवपासानलनेकरधारा जीसोनल
पुष्करनेहारेहो इसरीवाजीकेरनि गको हाथीर
होडेरथसुरवसाजे वैभीजीसेनलनरुपगाजे नी
सरीवाजीलायशुमावी देशग्राममसारीरजधानी
जाभ्नतनलपासाकेभेवा वैभीजीसोनिरसंदेहा
२१ दोहा जीसोसभकछुभूपतीपायोग्रपनोहा।

नं॰ भा॰
९८

न प्रपतावअननदिषायकेकृपाकरीमहाराज २११
दोहा ॥ गइनप्रपंतानृरमहाराजकीकृपातें मोवि
पिलिविहंकुरवरछवारवीनेनवे २१२ दोहा उपमा
पीनलगाघटतेकोक रिमकैवषांन प्रगनितउइ
गनगगनके ऐसेहीनेहान २१३ चौपई येसीवि
विधनपरीनलराय सोहमलमसोंकहीसुनाय
प्रवलमसनोपरामकेनेह भयपुधिरप्रानहको
ट प्रवलमवेनाप्रीमहाराज पीरेहीदिनवनेस

माज्ञ श्रवनीकहीसरषिवरउठिगयो नवतेधीरज्ञ।
धिष्ठिरगयो २१४ दोहा हरीभगततयघमनशत्रुकी
नोनलोपाध्यानरपतहरनसभसघकरनपहेस्य।
नेधरध्यान २१५ दोहा कारहिकोटितनागकोट
मघतीनलगाय श्रीरितपरणनरेशकीकीर्तकि
येकलजाय २१६ श्लोक पुन्यश्लोकोनलोराजापु
न्यश्लोकोजनार्द्दन पुन्यश्लोकाचवैदेहीपुन्यश्लो
कोयुधिष्ठिरः २१७ दोहा संवतसत्रासेवरषवी।

नेनडौलीन॥ कार्त्तिककृष्णदितिथिमार्गशिरमा रविदिन ग्र
घन्नकीन॥ २ । ८॥ दोहा॥ महाभारतवनपर्वकी ग्रथ
मकथासुनिकोहि॥ सबलियोघमकेधनेकूपा।
न॰ भा॰ ४९ करोप्रभुमोहि॥ ३ । ९॥ इति श्री नल विवित्रभाषा
समाप्ता॥ मंगलंलेषकानांचपाठकानांचमंग
लम्॥ मंगलंसर्वलोकानांभमेभूपतिमंगल।
म्॥।॥ ॥

12 x 3

